This question paper contains 8+4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

5348

B.A. (Programme)/II/III **A**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिंदी भाषा (क)—प्रश्न-पत्र II

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

P.T.O.

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) जीवन रजनी का अमल इन्दु
न मिला स्वाति का एक बिन्दु
जो हृदय सीप में मोती बन
पूरा कर देता लक्षहार,
धीरे से वह उठता पुकार—
मुझको न मिला रे कभी प्यार ।
पागल रे! वह मिलता है कब
उसको तो देते ही हैं सब
आँसू के कन कन से गिनकर
यह विश्व लिए है ऋण उधार,
तू क्यों फिर उठता है पुकार ?
मुझको न मिला रे कभी प्यार ।

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ? उसके कवि का नाम लिखिए।

(*ii*) 'जो हृदय सीप में मोती बन, पूरा कर देता लक्षहार'—आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) कवि के अनुसार प्रेम का उदात्तीकृत रूप क्या है?

(*iv*) इन्दु, रजनी शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए।

(ख) पैसे की व्यंग्य-शक्ति की सुनिए। वह दारुण है? मैं पैदल चल रहा हूँ कि पास की धूल उड़ाती निकल गई मोटर। वह क्या निकली मेरे कलेजे को कौंधती एक कठिन व्यंग्य की लीक ही आर-से-पार हो गई। जैसे किसी ने आँखों में उँगली देकर दिखा दिया हो कि देखो, उसका नाम है मोटर, और तुम उससे वंचित हो। यह मुझे अपनी ऐसी विडम्बना मालूम होती है कि बस पूछिए नहीं। मैं सोचने को हो आता हूँ कि हाय, ये ही माँ बाप रह गए थे, जिनके यहाँ मैं जन्म लेने को था। क्यों न मैं मोटर वालों के यहाँ हुआ ? उस व्यंग्य में

इतनी शक्ति है कि ज़रा में मुझे अपने सगों के प्रति कृतघ्न कर सकती है। लेकिन क्या लोकवैभव की यह व्यंग्य-शक्ति उस चूरनवाले अकिंचित्कर मनुष्य के आगे चूर-चूर होकर ही नहीं रह जाती ? चूर-चूर क्यों, कहो पानी-पानी।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) 'उस व्यंग्य में इतनी शक्ति है कि ज़रा में मुझे अपने सगों के प्रति कृतघ्न कर सकती हैं'—आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) पैसे की व्यंग्य-शक्ति 'चूरनवाले' के आगे चूर-चूर क्यों हो जाती है ?

(*iv*) आँख में उँगली देना, पानी-पानी होना—अर्थ बताइए।

(ग) उसने तो अपने किए का फल पा लिया, पर मैं समस्या का समाधान नहीं पा सकी। इस बार की

असफलता ने तो बस मुझे रुला ही दिया। अब तो इतनी हिम्मत भी नहीं रही कि एक बार फिर मध्यम वर्ग में अपना नेता उत्पन्न करके फिर से प्रयास करती। इन दो हत्याओं के भार से ही मेरी गर्दन टूटी जा रही थी और हत्या का पाप ढोने की न इच्छा थी, न शक्ति ही। और अपने सारे अहं को तिलांजलि देकर बहुत ही ईमानदारी से मैं कहती हूँ कि मेरा रोम-रोम महसूस कर रहा था कि कवि भरी सभा में शान के साथ जो नहला फटकार गया था, उस पर इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी। मैं हार गई, बुरी तरह हार गई।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके रचनाकार का नाम लिखिए।

(*ii*) दो हत्याएँ किसने और क्यों कीं ?

(*iii*) लेखिका अंत में अपनी हार क्यों स्वीकार करती है ?

(iv) असफलता, ईमानदारी, पाप, हार—विलोम शब्द लिखिए।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9

(i) आज के लेखक की कठिनाई क्या है ?

(मुझे क़दम-क़दम पर)

(ii) अव्यावसायिक रंगमंच की व्यावहारिक समस्याएँ कौनसी हैं ?

(पर्दा उठाओ! पर्दा गिराओ!)

(iii) सामान्य और पारिभाषिक शब्दों में क्या अंतर है ?

(सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द)

(iv) महात्मा गाँधी ने चरखे को स्वाधीनता का प्रतीक क्यों बनाया ?

(चरखवा चालू रहे)

(v) दूरदर्शन के सीरियल बच्चों को वयस्क कैसे बना रहे हैं ?

(गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) खड़ी बोली हिन्दी का सामान्य परिचय। 4

(*ii*) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। 4

(*iii*) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी। 4

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

युद्ध में जय बोलने वालों का भी बहुत महत्व है। कभी मैच देखने का अवसर मिला ही होगा आपको, देखा नहीं आपने कि दर्शकों की तालियों से खिलाड़ियों के पैरों में बिजली लग जाती है और गिरते खिलाड़ी उभर जाते हैं ? कवि-सम्मेलनों और मुशायरों की सारी सफलता दाद देने वालों पर ही निर्भर करती है, इसलिए मैं अपने देश का कितना भी साधारण नागरिक क्यों न हूँ, अपने देश के सम्मान की रक्षा के लिए बहुत कुछ कर सकता हूँ। अकेला चना क्या भाड़ फोड़े—यह कहावत अपने अनुभव

के आधार पर ही आपसे कह रहा हूँ– कि सौ फ़ीसदी झूठ है। इतिहास साक्षी है, बहुत बार अकेले चने ने ही भाड़ फोड़ा है और ऐसा फोड़ा है कि भाड़ खीलखील ही नहीं हो गया, उसका निशान तक ऐसा छूमंतर हुआ कि कोई यह भी न जान पाया कि वह बेचारा आख़िर था कहाँ।

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए। 2

(*ii*) गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 2

(*iii*) खेल के मैदान में दर्शकों की तालियों का क्या महत्व है ? 2

5. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 6

A good student insists on clarity of understanding. If he does not understand something in the class-room, he tries to understand it from his text-book. Even then if he is not clear, he goes to other text-books in the library and hopefully he finds a

text-book which clears his doubt. If he still fails, he discusses with his class fellows and his teachers. A good student remains restless till everything is crystal clear to him and is prepared to think hard for becoming clear. He knows that remembering results which are well understood is relatively easy.

6. कथांश का संवाद में अन्तरण कीजिए : 6

शकलदीप बाबू ने कोट को खूँटी पर टाँगते हुए लपककर आती हुई जमुना से कहा, "अब करो न राज! हमेशा शोर मचाए रहती थी कि यह नहीं है, वह नहीं है!' यह मामूली बात नहीं है कि बबुआ इंटरव्यू में बुलाए गए हैं, आया ही समझो।"

"जब आ जाएँ, तभी न," जमुना ने कंजूसी से मुस्कराते हुए कहा।

शकलदीप बाबू थोड़ा हँसते हुए बोले, "तुमको अब भी संदेह है ? लो, मैं कहता हूँ कि बबुआ जरूर आएँगे,

जरूर आएँगे। नहीं आए, तो मैं अपनी मूँछ मुड़वा दूँगा। और कोई कहे या न कहे, मैं तो इस बात को पहले से ही जानता हूँ। अरे मैं ही क्यों, सारा शहर यही कहता है। अम्बिका बाबू वकील मुझे बधाई देते हुए बोले 'इंटरव्यू में बुलाए जाने का मतलब यह है कि अगर इंटरव्यू थोड़ा भी अच्छा हो गया, तो चुनाव निश्चित है।' मेरी नाक में दम था, जो भी सुनता, बधाई देने चला आता है।''

''मुहल्ले के लड़के मुझे भी आकर बधाई दे गए हैं। जानकी, कमल और गौरी तो अभी-अभी गए हैं। जमुना ने स्वप्निल आँखों से अपने पति को देखते हुए सूचना दी।''

''तो तुम्हारी कोई मामूली हस्ती है ! अरे, तुम डिप्टी-कलक्टर की माँ हो न, जी!'' इतना कहकर शकलदीप बाबू ठहाका मारकर हँस पड़े।

जमुना कुछ नहीं बोली, बल्कि उसने सुपली काटकर साड़ी का पल्ला सिर के आगे थोड़ा और खींचकर मुँह टेढ़ा कर लिया।

शकलदीप बाबू ने जूता निकालकर चारपाई पर बैठते हुए धीरे-से कहा, "अरे भाई, हमको-तुमको क्या लेना है, एक कोने में पड़कर रामनाम जपा करेंगे।"

7. (क) शब्द-शक्ति से क्या अभिप्राय है ? उसके भेदों का उल्लेख कीजिए। 4

(ख) निम्नलिखित लाक्षणिक प्रयोगों को स्पष्ट कीजिए : 4

(*i*) 'पग-पग पर चौराहे मिलते हैं'

(*ii*) उनके 'श्रवणकुमार' ही बुढ़ापे में उनकी सेवा करेंगे।

(ग) 'सत्यनारायण निचोड़े हुए कपड़े जैसा चेहरा लिए थाने से बाहर आ गए। अपमान का धँसा काँटा निकलवाने गए थे। निकाले जाने की बजाय अपमान का उससे बड़ा काँटा धँसा दिया गया'—व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए। 4

8. (क) कोश का महत्व बताते हुए 'एक भाषी कोश' के दो नाम बताइए। 4

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

आदि, अमृत, अवसर, अंक, रीति, रोचक, रजनी, निशा, नित्य, मौसम, शरद, शांत, पंकज, प्राप्त, पुरस्कार, प्रयास।